"Poem"

" कुछ करना है, तो डटकर चल।
थोड़ा दुनिया से हटकर चल।
लीक पर तो सभी चल लेते है।
कभी इतिहास को पलटकर चल॥
बिना काम के मुकाम कैसा?
बिना मेहनत के दाम कैसा?
जब तक ना हासिल हो मंजिल
तो राह में, आराम कैसा?
अर्जुन सा, निशाना रख।
मन में ना कोई बहाना रख।
लक्ष्य सामने है, बस उसी पे अपना ठिकाना रख॥

सोचा मत, साकार कर।
अपने कर्मों से प्यार कर।
मिलेगा तेरी मेहनत का फल।
किसी और का ना इंतजार कर
जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले है
जो करते रहे इंतजार उनकी
जिंदगी में आज भी झमेले है॥"

NCC CADET
- Girish Kushwah